Content

विषयानुक्रम

प्रथम अध्याय में देवेन्द्र शर्मा के व्यक्तित्व एवं उनके परिचयात्मक संदर्भों को विस्तार से रेखांकित किया गया है, उनकी रचनात्मक प्रेरणा तथा जीवन के अनेक संगत तथा असंगत क्षणों को भी स्पष्ट किया गया है। 01

द्वितीय अध्याय में देवेन्द्र शर्मा 'इन्द्र' के समग्र कृतित्व की चर्चा की गई है तथा उनकी कृतियों का संक्षिप्त परिचयात्मक विवरण भी प्रस्तुत किया गया है। 23

तृतीय अध्याय में गीत-नवगीत के संदर्भ में इन्द्रजी का विशिष्ट प्रदान स्पष्ट करने का यत्न किया गया है तथा उनकी छान्दस रचनाओं का महत्व भी प्रतिपादित किया गया है। 131

चतुर्थ अध्याय नवगीतों के वर्ण्य-विषय को स्पष्ट करता है। तथा दोहा एवं गज़ल साहित्य के कथ्य को भी सामने रखता है। 168

पंचम अध्याय में प्रासंगिक तथ्यों का समावेश करते हुए इन नवगीतों की उपादेयता पर चर्चा की गई है तथा सामयिक सोच के प्रस्तार भी तय किए गए हैं। 208

षष्ठ अध्याय में नवगीतों में कलापक्ष एवं भावसम्पदा की महत्ता को विवेचित किया गया है। इसमें भाषा, अलंकार, गुण-दोष के साथ-साथ, भावानुभावों की व्यापक चर्चा करते हुए नवगीतों को ओजस स्वरूप को स्पष्ट किया गया है। 249

सप्तम अध्याय में नवगीतों एवं अन्य काव्य-कृतियों का समग्रतः मूल्यांकन किया गया है। इसे समग्र शोध-प्रबंध का निकष भी कह सकते हैं। शोध-प्रबंध की उपलब्धियों तथा इसकी महत्ता को भी ज्ञापित किया गया है। 268